सत्य एँव अर्थ पूर्ण जीवन की खोज करने वालों के लिए

मृत्युंजय ख्रिस्त

लैमेन इवैंजलिक्ल फैलोशिप, (LEF,Chennai)

नवम्बर-दिसम्बर, 2005

शुभ रात्रि

एक भक्त मसीही व्यक्ति था। एक वाहन दुर्धटना में वह बुरी तरह से जख्मी हुआ और उसे जल्द ही अस्पताल पहुँचाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि उसकी हालत नाजुक है और उसके जीवन के आखिरी दो घण्टे बचे हैं। यह सुनकर उसने अपने सभी परिजनों को बुलाया और यों कहकर संबोधित करने लगा।

''शुभ रात्रि, प्रिय अर्धांगिनी। जीवन की धूप-छाँव में हम इक्ट्ठे चले हैं। जिस भी काम को मैंने हाथ लगाया तुम मेरे लिए एक उत्साह का कारण बनी रहीं। कई बार मैंने तुम्हारे चेहरे पर परमेश्वर के आत्मा का तेज देखा है। जिस दिन तुम दुल्हन बनकर आयीं, आज मैं उस दिन से बढ़कर तुमसे प्रेम करता हूँ। प्रिया, शुभ रात्रि, मैं सुबह तुमसे मिलूँगा, शुभ रात्रि।''

''शुभ रात्रि, मरियम। तुम घर की ज्येष्ठ संतान हो। तुम अपने पिता के लिए असीम आनंद बनी हो। कितनी भली मसीही हो, मरियम। तुम यह नहीं भूलोगी कि तुम्हारे पिता तुमसे कितना प्रेम करते हैं। शुभ रात्रि, मरियम, शुभ रात्रि। ''

''शुभ रात्रि, विल। उसने अपने बड़े बेटे की ओर मुड़कर कहा। तुम्हारा आगमन हमारे परिवार पर स्पष्ट रूप से आशिष रहा है। तुम अपने पिता के परमेश्वर से प्रेम करते हो। तुम हर मसीही सदगुण और अनुग्रह में बढ़ते रहोगे। तुम्हारे पिता का प्रेम तथा आशिष तुम पर बनी रहेगी। शुभ रात्रि विल शुभ रात्रि। ''

पृष्ठ ३ पर..शुभ रात्रि.

मृत्युंजय ख्रिस्त
ON LINE

By Email:
post@lefi.org

At our Web Site:
http://lefi.org

प्यार तथा सदभावना भरा अभिवादन

तब उन्ही दिनों में मरियम उठकर शीघ्रता से पहाड़ी प्रदेश में यहूदा के एक नगर को गई, और जकरयाह के घर में प्रवेश करके उसने इलीशिबा को नमस्कार किया। लूका (१:३९,४०)

मरियम जिन अनोखी बातों से गुजरनेवाली थी स्वर्गदूत जिब्राईल ने वह बातें उसे बताई। इसके बाद तुरन्त मरियम उठकर अपनी चचेरी बहन इलीशिबा से मिलने पहाड़ी प्रदेश में यहूदा के एक नगर को गई। तब इलीशिबा को नमस्कार करती हुई मरियम को हम देखते हैं।

सलामी देने का ढंग, एक देश से दूसरे देश का अलग होता है। विभिन्न राष्ट्रों के विविध सलाम और अभिवादन होते हैं। राजनेताओं का बड़े उत्साह से स्वागत किया जाता है। औपचारिक और आम अभिवादन का आदान-प्रदान होता है। इन से परे बाइबल में जो अभिवादन हैं बहुत ही अर्थपूर्ण और प्रेरणात्मक हैं।

कई लोग क्रिसमस के समय पर एक दूसरे का अभिवादन करते हैं। मगर मरियम का अभिवादन एकदम अलग है। क्योंकि इलीशिबा की कानों में यह सलामी पड़ते ही एक असाधारण बात हुई थी। बाइबल कहता है कि ज्योंहि इलीशिबा ने मरियम का नमस्कार सुना, वह पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हुई।

एक प्यार और सदभावना से भरा अभिवादन निश्चित रूप से निहायत गहरा परिणाम उत्पन्न करता है। कई लोग अनौपचारिक और औपचारिक रीति से एक दूसरे का अभिवादन करते हैं।

उन दिव्य प्रकटीकरणों की वजह से, जो उन दोनों को दिया गया, वह इन चचेरी बहनों को एक दूसरे के निकट लाया। इलीशिबा की जिन्दगी में एक चमत्कार हुआ। मरियम यह नहीं जानती थी। न समाचार पत्र, न टेलिफोन और न कोई दूसरे संचार के साधन ने इस घटना को प्रकाशित किया था। आप-पास यदि कोई पत्रकार होता, तो जकरयाह के एक स्वर्गदूत से भेंट का समाचार मुख्य पृष्ठ पर छापता। मरियम इन सारी घटनाओं से अनजान थी। ''देख, तेरी कुटुम्बिनी इलीशिबा से भी इस बुढ़ापे में एक पुत्र होने वाला है और यह उसका, जो बांझ कहलाती थी, छठा महीना है। क्योंकि परमेश्वर के लिए कुछ भी असम्भव नहीं है।'' जब मरियम ने यह बात सुनी होगी, तब निश्चित ही वह अपनी आत्मा की गहराई तक रोमांचित हुई होगी। मगर अधिक रोमांचक बात यह थी कि वह इस संसार के उद्धारक की माँ बननेवाली है। दिव्य परमेश्वर के पुत्र को ग्रहण करने के लिए, वह एक मानवीय पात्र बननेवाली है। मगर यह कैसी जिम्मेवारी है!

इलीशिबा पवित्र आत्मा से परिपूर्ण थी। और उसकी कोख में शिशु ने भी इस आशीर्वाद में हिस्सा लिया था। गर्भवती स्त्री को यह जान लेना चाहिए कि वह अपनी अंदरूनी भावनाओं को, अपनी कोख में शिशु को प्रदान करती है।

इस क्रिसमस के समय के दौरान, कितने सारे लोगों का हम अभिवादन करते हैं। जब हम एक नया हृदय पाते हैं, हमारे अभिवादन भी काफी बदले से होंगे। जब हम मरियम के आध्यात्मिक स्तर को देखते हैं, असहाय ही सही, मगर महसूस करेंगे कि हम आध्यात्मिक बौने हैं। क्या हमारे अभिवादन से किसी ने आशीर्वाद पाया है?

कुछ चचेरे कुटुम्बी, कभी भी आपस में प्यार से नहीं रहते हैं। मगर ज्योंहि मरियम वहाँ गयी और इलीशिबा का अभिवादन किया, इलीशिबा ने नबुवत के शब्दों में उसका अभिवादन किया, ''तू स्त्रियों में धन्य है, और तेरे गर्भ का फल भी धन्य है!'' इलीशिबा मरियम से उम्र में काफी बड़ी थी। ''ऐसा हुआ कि ज्यों ही इलीशिबा ने मरियम का नमस्कार सुना त्यों ही बच्चा उसके गर्भ में उछल पड़ा और इलीशिबा पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हुई। लूका (१:४१)''

एक मां नौ महीनों तक शिशु को अपनी

पृष्ठ २ पर..अभिवादन..

पृष्ठ १ से..अभिवादन

कोख में रखती है। एक पवित्र आत्मा से भरी स्त्री, अपने शिशु को कैसी अद्भुत भावनाओं को प्रदान करती है! मैं जानता हूँ कि हर माँ बच्चे के जन्म तक चिन्तित रहती है।

इधर मरियम कहती है, ''मुझे अपनी चचेरी बहन को देखने पहाड़ों पर जाना है। यह कैसी अद्फुत बात है कि बुढ़ापे में उसको एक बच्चा होने वाला है। मुझे भी अफना रहस्य उस के साथ बाँटना है।'' मरियम का संकल्प ऐसा था, वह सतही सहभागिता नहीं, जो उनके बीच में रही।

कोई भी सहभागिता या कलीसिया, प्यार, वास्तविकता, भविष्यद्वाणी और पवित्र आत्मा के कामों के बगैर, एक खाली अंडे का छिलका मात्र रहेगी। इलीशिबा को यह विश्वास करने में कठिनाई बिलकुल महसूस नहीं हुई कि मरियम मसीह को इस दुनिया में लाने वाली है। इस प्रकार यशायाह की भविष्यद्वाणी पूरी हुई, जिसने एक कुँवारी से यीशु के जन्म की भविष्यवाणी, लगभग सात सौ साल पहले की थी।

क्रिसमस की कहानी में, परमेश्वर ने साधारण लोगों को प्रकटीकरणऔर नबुवत करने के स्तर तक ऊपर उठाया - जैसे युसुफ, मरियम, इलीशिबा, जकरयाह - परमेश्वर के मन की बात बांटने में।

- जोशुआ दानिएल।

बैतलेहम का सफर

छठे महीने में परमेश्वर की से जिब्राईल स्वर्गदूत नासरत नामक गलील के नगर में, एक कुंवारी के पास भेजा गया जिसकी मंगनी यूसुफ नामक एक पुरूष से हुई थी जो दाउद के वंश का था, और उस कुवांरी का नाम मरियम था। और भीतर आकर स्वर्गदूत ने उस से कहा, ''हे प्रभु की कृपापात्री, सलाम! प्रभु तेरे साथ है। '' लूका (१:२६-२८)

सभी धर्मो के अपने पर्व होते हैं। बहूधा इन पर्वो में अधार्मिकता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। मसीही लोगों के गिने-चुने पर्व हैं। मसीह का जन्म और उनकी मृत्यु और पुनरुत्थान का दिन उनमें महत्वपूर्ण हैं। मसीह के जन्मदिन पर लोगों का खुशी मनाना सही बात है। स्वर्गदूतों ने भी उस दिन अपने गीत गाये हैं। चरवाहे उनको देखने के लिए निकल पड़े। और उनको देखकर प्रसन्न हुए। दूर देश से ज्ञानी उनकी खोज में निकले। उन्होंने उस शिशु को देखकर उसकी आराधना की और अपनी भेंट चढ़ाई।

आओ, हम भी यही करें। हम यीशु को देखने के लिए सफर पर निकल चलें। सांसारिक सम्पत्ति से अपने मन को हटाकर स्वर्ग के राजा की ओर फिर जाएं। हम में से कुछ लोग अपनी सांसारिक अक्लमंदी और शिक्षा की वजह से परमेश्वर से दूर होते जा रहे हैं। हम अपने लिए अपने सोने, लोबान और गन्धरस को ताला लगाकर बैठे हैं। यह सब उनको भेंट करने के लिए उनकी तालाश करते हुए हम अपनी आध्यात्मिक खोज में निकलें। हम उनकी खोज करें जो 'यहूदियों का राजा' तथा इहलोक और परलोक का प्रभु बन कर जन्मा है। जो उच्च शिक्षा पाये हैं उन्हे अपने आपको नम्र करना है। परमेश्वर को पाने के लिए उनको एक लम्बा सफर तय करना पड़ेगा। नबियों की नबूवतें, मनुष्यों से बाते करेंगी। सीधे-सादे चरवाहों से स्वर्गदूतों ने बात की। एक तारे का चिन्ह देखकर ज्ञानी लोगों ने बहुत दूर सफर किया। नबियों की नबूवतें, मनुष्यों से बाते करेंगी।

जिन लोगों ने यीशु को ढूंढा, उन्होंने उनको एक चरनी में पाया। वे घास से बनी शैया पर लेटा हुआ था। स्वर्ग का परमेश्वर एक नन्हा शिशु बनकर आया है। और एक पवित्र और सरल कुँवारी मरियम, की बाहों में लेटा हुआ है। राजाओं और धनी लोगों को यह सौभाग्य प्राप्त नहीं था कि वह इस पवित्र शिशु को उठायें। एक पवित्र कुँवारी, जिनसे स्वर्गदूत भेंट कर सकते थे उनको जन्मा और उनको पाला-पोसा। वह जो स्वर्गो के स्वर्ग में समाया हुआ है, एक नन्हे शिशु के रूप में आया है। इस स्तर तक अपने आपको सीमित करना महानता का सच्चा चिन्ह है। शक्तिशाली और महत्वपूर्ण स्थान पर पहुंचने लायक आदमी वही है जो अपने आपको नम्र कर पाता है। प्रभु उन्हीं से प्रेम करता है जो अपने आत्मा (मन) में नम्र होते हैं और टूटे हैं। परमेश्वर के बच्चे वही हैं जो अपने आप को नम्र कर सकते हैं और जो सब कुछ त्याग सकते हैं। यही राजकीय याजको के गुण हैं। अहंकारी उनके पास नहीं पहुँच सकते। वे उनकी आराधना नहीं कर सकते।

ईजेबल की पुत्री अतल्याह ने एक समय यहूदा पर शासन किया था। एक धर्मी राजा यहोशापात की वह बहू थी। जब उसने देखा कि उसका पति और पुत्र मारे गये तो उसने सारे राजपुत्रों को घात किया और शासन की लगाम अपने हाथों में ले ली।

तब यहोयादा जो याजक थे, अहज्याह के पुत्र योआश को लिया और उसको छहः साल तक छिपाए रखा। और बाद में उसका राज्याभिषेक किया। इस याजक को, राज वारिस योआश को

For More Details Please contact on any of the following Addresses.

ALLAHABAD : Beautiful Books, 194A, Old Mumford Ganj,Pin Code-211 002, Uttar Pradesh, Ph.0532-2642872.
BANSI : Eton English Medium School,Chitaunakothi,Siddharth Nagar Dt, Pin Code-272 153, Uttar Pradesh, ph.05545-255002
MUMBAI : Beautiful Books,Hotel Victoria, Ground Floor,SBS Marg,Near GPO, CST, Pin Code.400001, Ph.022-56334763/ 25008840
NOIDA(Delhi): Beautiful Books, Basement, Sharma Market, Atta, Sector-27, NOIDA, Uttar Pradesh Ph.09810776324.
GANGTOK : Beautiful Books, P.B.No.94,31A, National Highway, Below High Court, Sikkim, Pin Code.737101 Ph.03592-228733
GWALIOR : L-95, Madhav Nagar, Gwalior-474002, Madhya Pradesh. Ph.0751-2636434
SHILLONG : Beautiful Books, P.B.No.39, Nongrimbah Road, Laitumkarh,Pin Code.793003, 0364-2501355

उसकी दुष्ट नानी अतल्याह से बचाकर रखना पड़ा।

शैतान ने इस संसार के शासन का अपहरण किया है। मगर असली राजा, संसार के प्रारम्भ से पहले ही सहमत हुआ था कि वह इस दुनिया में आयेगा और अपहारक को नीचे गिरायेगा। तदनुसार वह एक कुंवारी से जन्म लेकर इस दुनिया में आया है, क्रूस पर मरने के लिए और तीसरे दिन फिर से जी उठने के लिए आया है। ताकि वह शासन का नियंत्रण अपने हाथों में लेले। चरनी में लेटे इस नन्हे शिशु में कितने लोग एक राजा को देख पायेंगे। 'पुत्र का सम्मान करो, ऐसा न हो कि वह क्रोधित हो जाए ।' भजनसंहिता (२:१२)

हनोक को अपनी सहभागिता में आकर्षित करने वाला वही है। हनोक ऐसा आदमी था जिसका अपना परिवार था। अपने ऊपर एक परिवार की जिम्मेवारी को संभाले, वह परमेश्वर के साथ-साथ चला। और यीशु ने उसको सशरीर अपने ही पास उठा लिया। प्रारम्भ के उन दिनों में ही यीशु ने स्वार्गारोहण के सामर्थ्य का प्रदर्शन किया। वही है जिसने नूह से १२० वर्ष उद्धार का प्रचार करवाया था। वही है जिसने नूह से एक जहाज़ का निर्माण करवाया है, जो स्वंय उन्ही का प्रतीक है। इस संसार का न्याय करनेवाला वही है। उन दिनों में, जहाज़ के निर्माण का निर्देशन उन्होंने ही किया है और वह बात उनके प्रेम का प्रमाण है। आज वह प्रेम और सच्चाई का परमेश्वर है जो पाप की सामर्थ्य से हमें छुड़ायेगा। वह सत्य है, वह मार्ग है और वह जीवन है।

इब्राहीम को बुलाने वाला वही है। उसको और उसकी पत्नी को छूकर बुढ़ापे में उनको एक बेटा देनेवाला वही है। वही है जिसने यह प्रदर्शित किया कि जीवन का देने वाला वह खुद है और उसके साथ कुछ भी असंभव नही है। मूसा की अगुवाई करनेवाला वही है। अपनी महान सामर्थ्य से फिरौन की सेना को गिरानेवाला वही है। वह युद्ध में शक्तिशाली है। वह धार्मिकता की तलवार को चलाता है। लाल समुद्र को दो भाग करके अपने जनों को सूखी भूमि पर चलानेवाला वही है। इस्राएलियों को बाल देवता की उपासना में ले चलने वाले आहाब के घराने का न्याय करने के लिए एलिय्याह को उठानेवाला वही है। सिंहों की मांद में दानिय्येल के साथ जो था वही है। और आग के बीच शद्रक, मेशक और अबेद-नगो के साथ भी, 'मैं हूँ ' यह महान नाम जिसका है वह वही है।

कई राज्यों का उत्थान और पतन हुआ है। कई राज्य गायब हो गये हैं। कुछ युरोपीय राजा हैं जिनका कोई सिंहासन नहीं है। इस संसार के राज्य सदा बने रहनेवाले नहीं हैं। मगर उसका राज्य अनन्तकालीन राज्य है। ऐसा आदमी जो उनकी सेवा नहीं करता वह नष्ट होता है। ऐसे परिवार जो उनकी आराधना नहीं करते हैं वे टूट जाते हैं। ऐसे राज्य जो उसके सामन नहीं झुकते हैं वह बने नहीं रहेंगे। वह हमको अनन्त जीवन के मार्ग में चलना सिखाता है।

अनन्तकालीन राज्य की विधि उनकेहोठों से निकलती है। वह वचन है जो आदि में था और वह वचन परमेश्वर के साथ था। यह वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में आया और मनुष्य की ज़बान से मनुष्य की भाषा में बातें की।

वचन जो मनुष्य के रूप में आया है उसने अपने हाथ को आगे बढ़ाकर कोढ़ियों को चंगा किया और मरे हुओं को जिन्दा किया। परमेश्वर की महान सामर्थ्य ने उस में वास किया। जो एक स्त्री से जन्मा था। उस में दिव्य स्वभाव पूर्णता से प्रतिबिम्बित है। वह अनन्त परमेश्वर है जो हमें अपने ही स्वरूप में परिवर्तित कर सकता है। क्या वह एक आदमी मात्र दिख रहा है? नहीं! वह परमेश्वर है। उसके सामने अपने घुटनों को झुकने देना। उसकी आराधना करो!

- एन दानिएल।

पृष्ठ १ से..शुभ रात्रि

उसके बाद चार्ली खड़ा था। चार्ली बुराई के प्रभाव में पड़कर बुराई में जीने लगा था और उसने अपने माता-पिता को अत्यधिक निराश किया था। मरते हुए व्यक्ति ने उसे छोड़ अपने सबसे छोटी बच्ची, एक सुन्दर जवान लड़की से बात की।

''शुभ रात्रि, ग्रेसी। ग्रेसी, बड़े समय से तुम एक आनंद का गीत रही हो और रोशनी की किरण बनी हो। जब कुछ समय पहले तुमने अपने जीवन को प्रभु यीशु को सौंपा तो तुम्हारे पिता के आनंद का प्याला उमड़ पड़ा।

शुभ रात्रि, नन्ही बिटिया, शुभ रात्रि। ''

''अलविदा, चार्ली।'' तब उसने चार्ली को अपने पास बुलाया। ''चार्ली, तुम कितने प्रतिभावान लड़के थे। तुम्हारे माता-पिता ने सोचा था कि तुम बड़े होकर एक भले व्यक्ति बनोगे। हमने तुम्हें वे सब अवसर दिये जो दूसरों को दिये थे। यदि कहीं फर्क रखा गया था तो तुम यह जानते हो कि तुम्हारी भलाई के लिए ही किया गया था। तुमने हमें निराश किया है। तुमने चौड़ी राह को अपनाया, जो नाश का मार्ग है। तुमने उद्धारकर्ता के बुलावे को अनसुना किया है। परन्तु मैने हमेशा तुमसे प्रेम किया है और अब भी करता हूँ, चार्ली। केवल परमेश्वर ही जानते हैं, मैं तुमसे कितना प्यार करता हूँ। अलविदा, चार्ली अलविदा।''

चार्ली ने अपने पिता के हाथ को पकड़ा और जोर-जोर से आहें भर कर बच्चे की तरह रोने लगा और बोला, ''पिताजी, आपने दूसरों को तो शुभ रात्रि कहा परन्तु मुझे अलविदा क्यों कहा? ''

''उसका सादा सा कारण यह है कि परिवार के दूसरे स्दस्यों से तो मैं सुबह मिलूंगा, परन्तु उन वाग्दानों के कारण जो हमारे पुनर्मिलन को निश्चित करते हैं, उसी परमेश्वर के वचन से यह निश्चित है कि मैं तुमसे वहाँ नहीं मिलने पाउँगा। अलविदा, चार्ली अलविदा।''

चार्ली अपने मरते हुए पिता की खाट के पास धुटनों के बल गिरा और अपनी आत्मा की वेदना में परमेश्वर से अपने पापों की माफी माँगते हुए जोर से चिल्लाया।

''क्या तुम सचमुच अपने पूरे मन से यह प्रार्थना कर रहे हो चार्ली ?''

''परमेश्वर जानते हैं कि यह सच है।'' टूटे हुए दिल से वह नौजवान बोला।

''तब परमेश्वर तुम्हारी पुकार ज़रूर सुनेंगे और छुटकारा देंगे, चार्ली, और अब अलविदा नहीं बल्कि शुभ रात्रि, शुभ रात्रि चार्ली, शुभ रात्रि मेरे बेटा।'' और उसके प्राण पखेरू उड़ गए।

आगे चलकर चार्ली यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचारक बना।

-चुना हुआ।

सत्य की परख!

क्योंकि हमारे लिए एक बालक उत्पन्न होगा, हमें एक पुत्र दिया जाएगा, और प्रभुता उसके कांधे पर होगी, और उसका नाम अद्भुत युक्ति करने वाला, पराक्रमी परमेश्वर, अनन्तकाल का पिता, और शान्ति का राजकुमार रखा जाएगा। यशायाह (९:६)

क्रिसमस की पूर्व संध्या

करटिस ब्रेडफोर्ड, एक पादरी ने बताया कि जब वह सात साल के थे तो उस क्रिसमस की पूर्व संध्या पर वह इतना उत्तेजित थे कि बिस्तर में तो लेटे लेकिन नींद गायब हो गई। सोने का नाटक करते हुए वह आंखे मूंदे तब तक लेटा रहा जब तक उसे निश्चित न हो गया कि उसके माता-पिता खर्राटे मार कर सो रहे हैं। तब लगभग सुबह के दो बजे वह चुपचाप नीचे उतर आया, घर के तहखाने में।

क्रिसमस के पेड़ के नीचे उसके उपहार रखे थे। एक ढोलकी उसे मानो उसी समय बजाने का न्यौता दे रही हो, लेकिन उसे वैसा करने की हिम्मत नहीं हुई। लेकिन उसने पाया कि दूसरे उपहारों के साथ वह खेल सकता है। एक घुड़सवार की पोशाक, छह तीरों का बंडल, एक कठपुतली। उत्साह से भरे हुए उसने उपहार की ज़ुराबें खाली कर डालीं, टाफी खाने लगा, सेब, संतरे के स्वाद की.... अचानक एक आवाज़ सुन कर वह मुड़ा और चौंक गया, देखा कि उसे पिता जी उस पर कठोरता से देख रहे हैं।

कुछ क्षण के लिए करटिस घबराया लेकिन उसके पिता फिर उस पर मुस्कुराने लगे, सोफे के ऊपर आराम से बैठ गए और करटिस की सुनने लगे, वह उन्हें बता रहा था कि छह तीरों का बंडल कैसे काम करता है और कैसे कठपुतली अपना मूंह चलाती है।

जल्द ही नींद ने उसे घेर लिया, उसके पिता ने उसे गोद में उठाया, सीढ़ियां चढ़े और उसे कोमल बिस्तरे में लिटाया। अगली सुबह बड़े उत्साह के साथ क्रिसमस के त्यौहार को मनाया, लेकिन करटिस कहते हैं, ''मैं कभी भी क्रिसमस की उस पूर्व संध्या को नहीं भुला सकता।''

साल बीतते गए, एक और यादगार क्रिसमस के दिन करटिस ने अपने आपको पिता के साथ पाया। इस बार उसके पिता की हालत अलग थी, वाहन दुर्घटना के कारण लकवे का रोग और कैंसर के कारण कमज़ोरी। उपचार तथा दवाईयों ने उन्हे बड़ा कमज़ोर कर दिया था। अधिकतर सारे शरीर में दर्द रहता था, उनका वज़न पैंतालिस किलो से भी कम हो गया था। दर्द होने के बावज़ूद वह सबके साथ क्रिसमस मनाना चाहते थे, उन्होंने करटिस को कहा कि वह उन्हें तैयार कर दे। वह अपने सामने सारे परिवार को उपहार खोलते देखना चाहते थे। वह दाढ़ी भी कटवाना चाहते थे। इसलिए करटिस ने दाढ़ी का साबुन और उस्तरा लिया और उनके चेहरे पर झाग बनाया। वृद्ध व्यक्ति ने बताया कि उनकी दाढ़ी में कहां बाल उपर और कहां नीचे की ओर रहते हैं और कहां उस्तरा उलटा तथा सीधा चलाना पड़ेगा।

दाढ़ी बनाने के बाद करटिन ने उन्हें तैयार किया और तहखाने में ले गया जहाँ सारा परिवार उनकी बाट जो रहा था। वह केवल १५ मिनट ही बैठ पाये, सारे परिवार के साथ बैठने के कारण वह प्रसन्न थे, पर अब दर्द असहनीय हो रहा था। दर्द बढ़ने के कारण आंखों से आंसू छलक आये और उन्होंने करटिस को इशारा कर कहा, मुझे वापस ऊपर बिस्तरे पर ले चल। ताकतवर बेटे ने बड़ी कोमलता से अपने नाज़ुक पिता को गोद में उठाया। करटिस ने बाद में कहा, ''जैसे मैं उनके कमरे की ओर उन्हें ले जा रहा था, मुझे वह रात याद हो आयी, कई साल पहले इसी तरह वह मुझे उठा कर ले गये थे, जब हम दोनों अकेले क्रिसमस के उपहारों को देख रहे थे। अब उन्हें ले जाने की मेरे बारी थी।''

करटिस की आंखों से आंसू छलकने लगे, जब वह उन्हें सावधानी के साथ बिस्तरे पर लिटा रहा था, बूढ़े पिता ने उन आंसूओं को देख कर टेपरिकार्डर को चलाने का इशारा किया। करटिस ने टेप रिकार्डर चालू किया और दोनो मिलकर बाइबल का पठन सुनने लगे। युहन्ना लिखित सुसमाचार का १४ अध्याय पढ़ा जा रहा था, ''मेरे पिता के घर में बहुत से कमरे हैं....'' मन में करटिस ने परमेश्वर का धन्यवाद दिया, अपन उद्धार के लिए, अपने पिता के उद्धार के लिए और वह क्षण उन्हें एक दूसरे के साथ बिताने के लिए और उन घड़ियों के लिए जब परमेश्वर ने उन दोनों को संभाला था।

दो दिन बाद करटिस के पिता का देहान्त हो गया। लेकिन यादगार बहुमुल्य थी, दर्द भरी नहीं, करटिस ने कहा, ''यीशु के कारण, जिनका जन्म दिन हम क्रिसमस पर मनाते हैं, जो उन पर विश्वास करने वालों का उद्धार करने के लिए त्त बलि बने, मैं जानता हूँ, मैं दुबारा अपने पिता से मिलूंगा। और परिवार का पुनर्मिलन कैसा अद्भुत होगा।''

- चुना हुआ।

क्रिसमस की भेंट

जब क्रिसमस की सुबह आई तो ऐसी सुबह थी, जिसका लंबे समय से इंतजार था। सवेरे की आराधना लंबी लगने लगी। और नाश्ते को मुश्किल से छूआ, जब नौकर ने आकर यह ऐलान किया कि सब तैयार है। तो माता-पिता ने हमें ऐसे ही अस्त-व्यस्त अन्दर आने दिया। मैं देख रहा हूँ कि अब मेज पूरी तरह उपहारों से भरी थी और बीच में पौधा खड़ा था।

एक बहुत बड़ा ढेर था। उनको लेने के लिए मुझे किसी से पूछने की ज़रूरत नहीं थी। बस - जो चाहा मैंने उठाया। लपेटने वाले कागज़ यूँ ही फर्श पर फैल गये। घुटने तक गहरे कागज़ की रद्दी के ढेर में हर एक को गुज़रना पड़ा। और जब कागज़ साफ किये गये, तब सारे उपहार इक्टठे थे, यह मेरा है, और वह तुम्हारा। क्या आप कल्पना नहीं कर सकते, परमेश्वर, ढकी हुई, उपहारों से भरी एक बड़ी मेज के ऊपर से कपड़ा हटा रहे हों और कह रहे हों, मेरे बच्चे सालों से तुम इसका इंतजार कर रहे थे, और वह दिन आ गया है? और तुम्हारा उपहार वहाँ है, और तुम्हारा, और तुम्हारा भी।

तुमको क्या चाहिए? तुम क्षमा पाने के लिए प्रार्थना कर रहे थे। वो वहाँ है। अब यहाँ आओ और उसे ले लो। तुम 'मेरे बेटे हो', इस आश्वासन की माँग कर रहे थे। वह उधर है। उसे ले लो। तुम्हें क्या चाहिए? वासना से भरे विचारो से मुक्ति और अपवित्रता की चाह से छुटकारा? ठीक है, मसीह की पवित्रता उन सब का उत्तर देगी।

तुमको क्या चाहिए? ''श्रीमान, मेरा भयानक गुस्सा करने का स्वभाव है। मैं घर में शान्त रहने की कोशिश करता हूँ, मगर, जब मैं सोचता हूँ कि मैं अत्यंत नियंत्रित हूँ, मैं आसानी से असफल हो जाता हूँ और बाद में ग्लानि से भरकर अपने आप को मारने के लिए तैयार हो जाता हूँ। यदि सिर्फ मैं अपनी जीभ को नियंत्रण में रख पाता!''

ठीक है, वह इधर है, मसीह का धीरज तुमको चाहिए? वह सब तैयार है। काफी समय से वह इधर था, मगर उनको लेने के लिए तुम कभी इधर नहीं आये। वह इधर है। तुमको किस

पृष्ठ ५ पर..क्रिसमस की भेंट

भजनसंहिता १

१ क्या ही धन्य है वह मनुष्य जो
दुष्टों की सम्मति पर नहीं चलता,
न पापियों के मार्ग में खड़ा होता,
और न ठट्ठा करने वालों की बैठक
में बैठता है।
२ परन्तु वह तो यहोवा की
व्यवस्था से आनन्दित होता
और उसकी व्यवस्था पर रात-दिन
मनन करता है।
३ वह उस वृक्ष के समान है जो
जल-धाराओं के किनारे लगाया
गया है,
और अपनी ऋतु में फलता
है, और जिसके पत्ते कभी मुर्झाते
नहीं,
इसलिए जो कुछ वह मनुष्य
करता है वह उसमें सफल होता
है।
४ दुष्ट ऐसे नहीं होते,
वे भूसी के समान होते हैं
जिसे पवन उड़ा ले जाता है।
५ इसलिए दुष्ट, न्याय में स्थिर न
रह सकेंगे,
न पापी, धर्मियों की सभा में।
६ क्योंकि यहोवा धर्मियों का मार्ग
जानता है,
परन्तु दुष्टों का मार्ग नष्ट हो
जाएगा।

तुम आत्मा में जन्मो

कुछ साल पहले मैं, मेरी पत्नी और मेरे बच्चे, हम देश के पश्चिमी भाग की ओर यात्रा कर रहे थे। मेरा सबसे बड़ा बेटा, उसे रेलगाड़ी में एक समाचार पत्र बेचने वाले की नकल कर डिब्बों में घूमना बड़ा भाता था। वह बोला, ''पिताजी, क्या आपके पास कुछ सुसमाचार की पुस्तिकाएं हैं, मैं बांटना चाहता हूँ ?'' मेरे पास कुछ प्रतियां थीं, मैने उसके हाथ में सौंप दीं। हर यात्री के हाथ में उसने एक-एक कापी थमा दी और जल्द ही लोग उसे पढ़ने में लग गये। कुछ समय बाद मैं एक डिब्बे से गुज़र रहा था और वहाँ एक भाग में महिला बैठी थी, उन्होंने मुझे रोका और कहा, ''क्षमा कीजिए, मुझे लगा वह लड़का आपका बेटा है जिसने मुझे यह ट्रेक्ट पढ़ने को दिया, क्या यह सच नहीं ?''

''हाँ, यह सच है।'', मैंने कहा।

''क्या आपको कुछ घड़ी बैठने में एतराज़ होगा?'', उसने पूछा।

मैंने अपनी पत्नी का परिचय करवाया और हम बैठ गए।

''आप कल्पना भी नहीं कर सकते।'', वह बोली, ''मुझे यह जानकर कितनी खुशी हुई कि मेरे समान दूसरे धार्मिक लोग भी इस रेलगाड़ी से यात्रा कर रहे हैं।''

''क्या आपको इन बातों में रूचि है?'', मैंने पूछा।

''हां, ज़रूर'', वह बोली, ''मैं जीवन भर धार्मिक रही हूँ।''

''आपका आत्मा में जन्म कब हूआ?'', मैंने पूछा।

''अरे'', उन्होंने उत्तर दिया, ''मेरे पिताजी समाज में लीडर थे, और मेरे एक चाचा तथा दो भाई निष्ठावान पादरी हैं।''

''यह बड़ा रूचिपूर्ण है,'' मैंने कहा, ''यदि आप बुरा न माने,क्या मैं दुबारा पूछ सकता हूं, क्या आपने स्वंय मन फिराया है?''

''क्यों, लगता है आपको समझ नहीं आया, मेरे पिताजी समाज में लीडर थे, और मेरे चाचा तथा दो भाई निष्ठावान पादरी हैं।''

''परन्तु आप उनके चोगे को पकड़कर स्वर्ग में प्रवेश करने की योजना नहीं बना रही ना, यदि वे उद्धार पाये व्यक्ति ही क्यों न हों, क्या आप ऐसा सोच रही हैं? क्या आपने सचमुच में परमेश्वर की ओर मन फिराया है?'', मैंने पूछा।

''नहीं, कभी नहीं '', उसने उत्तर दिया, ''लेकिन मैंने सोचा यदि इस तरह जवाब दूंगी तो आप समझ जाओग कि धर्म हमारे परिवार में चला आ रहा है।''

''हो सकता है धर्म आपके परिवार में चला आ रहा हो, परन्तु धर्म और मसीहत दो बड़ी भिन्न चीज़ें हैं।'', मैंने कहा, ''ऐसे बहुत से लोग हैं जो बड़े धर्मपरायण हैं, परन्तु वे उद्धार पाये नहीं हैं। हमारे प्रभु (यीशु मसीह) एक बड़े धर्मपरायण व्यक्ति से बात कर रहे थे जब उन्होंने उससे कहा, 'तुम्हें आत्मा में जन्म लेना होगा।' ''

उस महिला को यह बात दिखाने मे मुझे बड़ी कठिनाई हुई कि उत्तराधिकार में उद्धार या मुक्ति नहीं मिलती। उसे यह समझने में बड़ी कठिनाई हो रही थी कि उस जैसे परिवार को भी पश्चात्ताप की आवश्यकता थी। शायद ऐसा हो कि तुम भी इस बात की बड़ाई में रहे हो कि तुम भी मसीही पूर्वजों से आये हो और यह बात मन में मान ली हो कि क्योंकि तुम्हारे माता-पिता मसीही थे तो तुम भी मसीही हो। यह याद रहे, ''वे लहू के द्वारा उत्पन्न नहीं हुए।''

- चुना हुआ।?

पृष्ठ ४ से.क्रिसमस की भेंट

चीज़ की ज़रूरत है? ठीक है, वह यहाँ है - वह पहले सा, प्रारम्भ के दिनों की प्रसन्नता से भरी ताकत, जब तुम एक हरिण की तरह उछलते थे। वह इधर यीशु मसीह में है।

क्रिसमस के दिन पर, यह समझना कि यीशु - जो एक समय शिशु था अब स्वर्ग में है और उन्होंने मेज को सजाया है। वह स्वंय मेज है। वही उपहार हैं। उनका मानवीय स्वभाव, मृत्यु में आज़ादी पाकर, अब अपने पिता के सिंहासन पर महिमान्वित विराजमान है। क्या तुम्हारे लिए वह काफी नहीं है। प्रभु यीशु ही तुम्हारी सारी ज़रूरतों को पूरा करने वाले हैं।

-एफ बी मायर।

कृपया पढ़ने के पश्चात मित्रों को दीजिए।